वार्षिक प्रतिवेदन 2004-05

ANNUAL REPORT 2004-05

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

यह प्रतिवेदन (रिपोर्ट) 7 अप्रैल 1994 को राजपत्र में अधिसूचित भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (वार्षिक प्रतिवेदन) नियम, 1994 के अनुसार निर्धारित किये गये फॉर्म के अनुरूप है।

एम. दामोदरन, आय.ए.एस.
अध्यक्ष

M. Damodaran, I.A.S.
Chairman

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India

एचओ1 / आरआई / ओटीडब्ल्यू / 2005/43443
जून 27, 2005

सचिव,
भारत सरकार,
आर्थिक कार्य विभाग,
वित्त मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक,
नई दिल्ली - 110 001.

प्रिय महोदय,

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 18(2) के उपबंधों के अनुसार, मैं एतद्द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण के भाग II खण्ड 3 उप-खण्ड (1) में 7 अप्रैल, 1994 को अधिसूचित भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (वार्षिक प्रतिवेदन) नियम, 1994 में विहित प्ररूप में 31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के वार्षिक प्रतिवेदन की प्रति अग्रेषित कर रहा हूँ ।

भवदीय,
एम. दामोदरन

(एम.दामोदरन)

संलग्न : यथोक्त

HO1 / RI / OTW / 2005/43443
June 27, 2005

The Secretary to the Government of India,
Department of Economic Affairs,
Ministry of Finance,
North Block,
New Delhi - 110 001.

Dear Sir,

In accordance with the provisions of Section 18(2) of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, I forward herewith the copy of the Annual Report of the Securities and Exchange Board of India for the year ended March 31, 2005, in the format prescribed in the Securities and Exchange Board of India (Annual Report) Rules, 1994, notified on April 7, 1994, in Part II Section 3 Sub-section (1) of the Gazette of India Extraordinary.

Yours faithfully,

(M. DAMODARAN)
Encl.: a/a

मित्तल कोर्ट, 'बी' विंग, 224, नरिमन पॉईंट, मुंबई - 400 021. • दूरभाष : 22028221 / 22851596 • फैक्स : 22855585
ई-मेल : chairman@sebi.gov.in • वेब : www.sebi.gov.in

Mittal Court, 'B' Wing, 224, Nariman Point, Mumbai - 400 021. Tel. : 22028221 / 22851596 • Fax : 22855585
E-mail: chairman@sebi.gov.in • Web: www.sebi.gov.in

बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च 2005 को)

एम. दामोदरन्
अध्यक्ष

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 4(1)(घ) के अधीन नियुक्त सदस्य

मधुकर
पूर्णकालिक सदस्य

जी. अनंतरामन्
पूर्णकालिक सदस्य

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 4(1)(ख) के अधीन नामित सदस्य

धीरेन्द्र स्वरूप
सचिव (व्यय एवं बजट)
व्यय विभाग
वित्त मंत्रालय
भारत सरकार

अशोक के. लहिरी
मुख्य आर्थिक सलाहकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
भारत सरकार

कोमल आनंद
सचिव
कंपनी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 4(1)(ग) के अधीन नामित सदस्य

के.जे. उदेशी
उप गवर्नर
भारतीय रिज़र्व बैंक

सेबी बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्य

(31 मार्च 2005 को)

श्री एम. दामोदरन्
अध्यक्ष

श्री मधुकर
पूर्णकालिक सदस्य

श्री जी. अनंतरामन्
पूर्णकालिक सदस्य

डॉ. अशोक के. लहिरी
मुख्य आर्थिक सलाहकार
आर्थिक कार्य विभाग
वित्त मंत्रालय
भारत सरकार

श्री धीरेन्द्र स्वरूप
सचिव, व्यय एवं बजट
वित्त मंत्रालय
भारत सरकार

सुश्री कोमल आनंद
सचिव
कंपनी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार

सुश्री के. जे. उदेशी
उप गवर्नर
भारतीय रिज़र्व बैंक

अध्यक्ष, पूर्णकालिक सदस्य और कार्यपालक निदेशक

बैठे हुए, बाँये से दाँये : पूर्णकालिक सदस्य - **श्री मधुकर;** अध्यक्ष - **श्री एम. दामोदरन्;** पूर्णकालिक सदस्य - **श्री जी. अनंतरामन्**

खड़े हुए, बाँये से दाँये : कार्यपालक निदेशक : **श्री आर.एस. लूना, श्री प्रतीप कर, श्री एस.सी. दास**

विषय-वस्तु

पृष्ठ सं.

सारणी सूची vi

आकृति सूची ix

बॉक्स सूची x

संक्षेपाक्षर xi

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किए गए प्रमुख नीतिगत प्रयास - कालक्रम के अनुसार xiii

भाग एक : नीतियाँ और कार्यक्रम

1. सामान्य स्थूल-आर्थिक परिवेश 4

2. नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा 9

I. प्राथमिक प्रतिभूति बाजार 9

II. द्वितीयक प्रतिभूति बाजार 11

III. पारस्परिक निधियाँ 18

IV. विदेशी संस्थागत निवेशक 19

V. निगमित पुनर्संरचना 19

VI. निवेशक जागरूकता / सहायता और निवेशक शिक्षण / संरक्षण 21

VII. सिंहावलोकन और संभाव्यताएँ 23

भाग दो : प्रवृत्तियों और कार्यप्रणाली की समीक्षा

1. प्राथमिक प्रतिभूति बाजार 27

I. 2004-05 के दौरान जुटायी गयी पूँजी 27

II. निर्गमों का आकार और संरचना 29

III. उद्योगानुसार जुटाये गये संसाधन 30

2. द्वितीयक प्रतिभूति बाजार 32

I. इक्विटी बाजार - एक अवलोकन 32

II. क्षेत्रानुसार (सेक्टरल) सूचकांकों का कार्य-निष्पादन 35

III. भारतीय स्टॉक बाजार में व्यापारावर्त (टर्नओवर) 36

IV. बाजार पूँजीकरण 39

V. प्रादेशिक स्टॉक एक्सचेंजों की गतिविधियाँ 40

VI. व्यापार की बारंबारता 44

VII. पूँजी बाजार सूचक 45

विषय-वस्तु

VIII. स्टॉक बाजारों में उतार-चढ़ाव 47

IX. गैर-कागजी प्रक्रिया 50

X. भारत में व्युत्पन्नी बाजार 51

3. पारस्परिक निधियाँ 58

4. विदेशी संस्थागत निवेशक 63

5. ऋण बाजार (डैट मार्केट) की गतिविधियाँ 67

I. बॉण्ड बाजार : अंतरराष्ट्रीय रुख 67

II. भारतीय थोक ऋण बाजार 67

भाग तीन : प्रतिभूति बाजार का विनियमन

1. प्राथमिक प्रतिभूति बाजार 71

2. द्वितीयक प्रतिभूति बाजार 71

I. दलालों का रजिस्ट्रीकरण 71

II. उप-दलालों का रजिस्ट्रीकरण 75

III. स्टॉक एक्सचेंजों की मान्यता 76

IV. कंपनी पुनःसरंचना : शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण 78

V. विदेशी संस्थागत निवेशकों का रजिस्ट्रीकरण 78

VI. प्रतिभूति अभिरक्षकों का रजिस्ट्रीकरण 78

VII. सामूहिक विनिधान (निवेश) स्कीमों का रजिस्ट्रीकरण 78

VIII. पारस्परिक निधियों का रजिस्ट्रीकरण 78

IX. जोखिम पूँजी निधियों का रजिस्ट्रीकरण 79

X. फीस और अन्य शुल्क 79

3. पर्यवेक्षण 81

I. स्व-विनियामक संगठनों का संवर्धन और विनियमन 81

II. स्टॉक एक्सचेंजों का स्व विनियामक संगठनों के तौर पर विकास 81

III. बाजार मध्यवर्तियों का निरीक्षण 81

IV. स्टॉक एक्सचेंजों का निरीक्षण 82

V. स्टॉक एक्सचेंज की सहयोगियों (सबसीडियरीज) के निरीक्षण 82

VI. स्टॉक एक्सचेंज से बाहर गैरकानूनी व्यापार 83

विषय-वस्तु

VII. निक्षेपागारों का निरीक्षण 83

VIII. प्रणाली-लेखापरीक्षा 83

4. निगरानी 83

I. बाजार निगरानी प्रणाली 83

II. एकीकृत बाजार निगरानी प्रणाली 84

III. अंतरिम निगरानी व्यवस्था 86

IV. अंतर-विनियामक चेतावनी प्रणाली 86

V. 2004-05 के दौरान बाजार संबंधी महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ 86

VI. निगरानी संबंधी कार्रवाई 87

VII. अन्य पहल 89

5. अन्वेषण 90

I. उद्देश्य 90

II. अन्वेषण के चरण 90

III. अन्वेषण के मामलों की प्रवृत्तियाँ 91

IV. की गयी विनियामक कार्रवाई 92

6. विनियमों का प्रवर्तन 94

I. जाँच और न्यायनिर्णयन संबंधी ब्यौरे 94

II. बाजार मध्यवर्ती 95

III. प्रत्यायोजित शक्तियों और कृत्यों के अधीन स्टॉक एक्सचेंजों के खिलाफ विनियामक कार्रवाइयाँ 96

IV. पारस्परिक निधियों के खिलाफ विनियामक कार्रवाइयाँ 96

V. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 के अधीन विनियामक कार्रवाई 99

VI. सीआइएस संस्थाओं के खिलाफ विनियामक कार्रवाई 99

7. अभियोजन 100

I. अभियोजन की प्रवृत्तियाँ 100

II. अभियोजन का स्वरूप 101

III. मुकदमेबाजियाँ, अपीलें और न्यायालय के निर्णय 101

8. निवेशक शिक्षण और मध्यवर्तियों का प्रशिक्षण 103

9. अनुसंधान संबंधी गतिविधियाँ 103

विषय-वस्तु

भाग चार : विनियामक परिवर्तन

1. **विनियामक संशोधन** 104

   I. भाप्रविबो (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 1997 में संशोधन 104

   II. भाप्रविबो (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 में संशोधन 105

   III. भाप्रविबो (बाजार सहभागियों के केंद्रीय डाटाबेस) विनियम, 2003 के अधीन अधिसूचनाएँ 105

   IV. भाप्रविबो (निक्षेपागार और सहभागी) (संशोधन) विनियम, 2004 106

   V. भाप्रविबो (जोखिम पूंजी निधियाँ) (संशोधन) विनियम, 2004 106

   VI. भाप्रविबो (विदेशी जोखिम पूंजी विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2004 107

   VII. भाप्रविबो (संविभाग प्रबंधक) (संशोधन) विनियम, 2004 107

   VIII. भाप्रविबो (प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेना) (संशोधन) विनियम, 2004 107

   IX. भाप्रविबो (बाजार सहभागियों के केंद्रीय डाटाबेस) (संशोधन) विनियम, 2004 108

2. **न्यायालय के महत्त्वपूर्ण निर्णय : 2004-05** 108

   I. सिविल रिट याचिका सं. 2003 की 188 - पीजीएफएल लि. बनाम भाप्रविबो - पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में 108

   II. क्लेरियंट इंटरनेशनल लि. एवं अन्य बनाम भाप्रविबो - उच्चतम न्यायालय 109

   III. स्वीडिश मैच एबी एवं अन्य बनाम भाप्रविबो - उच्चतम न्यायालय 110

   IV. राज कुमार किशोरपुरिया बनाम महाप्रबंधक, भाप्रविबो - उच्च न्यायालय, कोलकाता 110

   V. अल्कन प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. बनाम भाप्रविबो - अपील सं. 88 / 2004 111

   VI. रिट याचिका (सी) सं. 2094 / 1996 - श्रीमती गीता कपूर, रिट याचिका (सी) सं. 4679 / 1996 - ले. कर्नल एम.जी. कपूर, रिट याचिका (सी) सं. 4662 / 1996 - कन्ज्यूमर एजुकेशन एंड रिसर्च सोसाइटी सुरक्षा संकुल बनाम भारत का संघ एवं अन्य - माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष 111

विषय-वस्तु

भाग पाँच : संगठनात्मक मामले

1. **भाप्रविबो (सेबी) का बोर्ड** 112
2. **मानव संसाधन** 112
   - I. स्टाफ संख्या, भर्ती और प्रतिनियुक्ति 112
   - II. प्रशिक्षण और कौशल वृद्धि 113
   - III. पदोन्नतियाँ 113
3. **राजभाषा का संवर्धन** 113
4. **सूचना प्रौद्योगिकी** 114
   - I. जानकारी प्रबंधन 114
   - II. इलेक्ट्रॉनिक कार्यप्रवाह 114
   - III. संस्था संसाधन योजना का कार्यान्वयन 114
   - IV. ई-रजिस्ट्रीकरण तथा निगरानी हेतु कस्टम एप्लीकेशन 114
   - V. भाप्रविबो का वेबसाइट 114
   - VI. भाप्रविबो उप-प्रमाणन प्राधिकरण 114
   - VII. संकट निवारण व्यवस्था और निरंतर कामकाज योजना 114
5. **भौतिक अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर)** 114
6. **अंतरराष्ट्रीय सहयोग** 114
   - I. अंतरराष्ट्रीय बैठकें 115
   - II. जॉर्डन में आयस्को की वार्षिक बैठक 115
   - III. केंद्रीय काउंटरपार्टियों के लिए सिफारिश 116
   - IV. अंतरराष्ट्रीय पहल 116
7. **संसदीय समिति** 117

सारणी सूची

सारणी सं.	सारणी का शीर्षक	पृष्ठ सं.
सारणी 1.1	राष्ट्रीय आय (1993-94 की कीमतों पर)	5
सारणी 1.2	आर्थिक गतिविधि के आधार पर कारक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (1993-94 की कीमतों पर)	5
सारणी 1.3	सकल घरेलू बचतें और निवेश	7
सारणी 1.4	भारत में प्रतिभूति संव्यवहार कर	12
सारणी 1.5	विशिष्ट पहचान संख्या का आबंटन	12
सारणी 1.6	न्यूनतम डीमैट प्रभार	14
सारणी 1.7	निवेशक शिकायतों का निवारण	22
सारणी 1.8	प्रतिभूति बाजार जागरूकता अभियान	24
सारणी 2.1	सार्वजनिक और साधिकार निर्गमों के माध्यम से संसाधन जुटाना	27
सारणी 2.2	क्षेत्र के अुनसार जुटाये गये संसाधन	28
सारणी 2.3	जुटाये गये संसाधनों का आकार के अनुसार वितरण	29
सारणी 2.4	2004-05 के दौरान बड़े निर्गम	30
सारणी 2.5	उद्योग के अनुसार जुटाये गये संसाधन	31
सारणी 2.6	2004-05 में बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा संसाधन जुटाना	31
सारणी 2.7	भारतीय स्टॉक बाजारों के प्रमुख सूचक	33
सारणी 2.8	प्रमुख स्टॉक सूचकांक और उनके प्रतिफल	34
सारणी 2.9	क्षेत्र के अनुसार स्टॉक सूचकांक और प्रतिफल	36
सारणी 2.10	भारत के स्टॉक एक्सचेंजों में व्यापारावर्त	37
सारणी 2.11	बीएसई और एनएसई में व्यापारावर्त	38
सारणी 2.12	नकदी खंड में श्रेष्ठ 10 शहरों का शहर के अनुसार व्यापारावर्तः बीएसई और एनएसई को मिलाकर	38
सारणी 2.13	बीएसई में बाजार पूँजीकरण	39
सारणी 2.14	एनएसई में बाजार पूँजीकरण	40
सारणी 2.15	स्टॉक एक्सचेंजों के व्यापार संबंधी आँकड़े	41
सारणी 2.16	स्टॉक एक्सचेंजों में दलालों की स्थिति	42
सारणी 2.17	स्टॉक एक्सचेंजों में सहयोगियों के व्यापार संबंधी ब्यौरे	43
सारणी 2.18	सूचीबद्ध स्टॉकों में व्यापार की बारम्बारता	44
सारणी 2.19	पूँजी बाजार से संबंधित चुनींदा अनुपात	45
सारणी 2.20	कीमत-उपार्जन अनुपात	46
सारणी 2.21	बही-मूल्य के प्रति कीमत अनुपात	46
सारणी 2.22	बेंचमार्क सूचकांकों के दैनिक उतार चढ़ाव	47
सारणी 2.23	अंतरराष्ट्रीय स्टॉक सूचकांकों के दैनिक और वार्षिक उतारचढ़ाव का रुख (2004-05)	48

सारणी सूची

सारणी सं.	सारणी का शीर्षक	पृष्ठ सं.
सारणी 2.24	चुनींदा अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों का पी/ई अनुपात, प्रतिफल और उतारचढ़ाव (2004-05)	49
सारणी 2.25	मार्च के अंत में निक्षेपागार आँकड़े : इक्विटी शेयर	50
सारणी 2.26	निक्षेपागार संबंधी आँकड़ेः डिबेंचर / बॉण्ड और वाणिज्यिक पत्र	51
सारणी 2.27	एनएसई और बीएसई में व्युत्पन्नियों में व्यापारावर्त और ओपन इंटरेस्ट के रुख	52
सारणी 2.28	एनएसई में उत्पाद के अनुसार व्युत्पन्नी व्यापारावर्त (कुल के प्रतिशत के रूप में हिस्सा)	53
सारणी 2.29	बीएसई में उत्पाद के अनुसार व्युत्पन्नी व्यापारावर्त (कुल के प्रतिशत के रूप में हिस्सा)	54
सारणी 2.30	एनएसई और बीएसई में इंडेक्स फ्यूचर्स के रुख	55
सारणी 2.31	एनएसई और बीएसई में सिंगल स्टॉक फ्यूचर्स के रुख	55
सारणी 2.32	एनएसई और बीएसई में इंडेक्स ऑप्शन्स के रुख	56
सारणी 2.33	एनएसई और बीएसई में सिंगल स्टॉक ऑप्शन्स के रुख	56
सारणी 2.34	31 मार्च 2005 को बीएसई और एनएसई के व्युत्पन्नी खंड में सदस्यों की श्रेणी	57
सारणी 2.35	2004-05 में एफ एण्ड ओ व्यापारावर्त में व्यापारियों /.. निवेशकों के विभिन्न वर्गों का हिस्सा	57
सारणी 2.36	2004-05 के दौरान पारस्परिक निधियों द्वारा क्षेत्रों के अनुसार.............................. जुटाये गये संसाधन	59
सारणी 2.37	पारस्परिक निधियों द्वारा स्कीम के अनुसार जुटाये गये संसाधन .... और उनकी प्रबंधनाधीन आस्तियाँः 2004- 05	60
सारणी 2.38	31 मार्च 2005 को निवेश उद्देश्यों द्वारा स्कीमों की संख्या	60
सारणी 2.39	पारस्परिक निधियों द्वारा स्टॉक एक्सचेंजों में लेनदेन	62
सारणी 2.40	पारस्परिक निधियों और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवेश	62
सारणी 2.41	विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवेश..	64
सारणी 2.42	2004-05 के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा महीने के अनुसार निवेश	65
सारणी 2.43	लिखत के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश (2004-05)	66
सारणी 2.44	व्युत्पन्नियों में विदेशी संस्थागत निवेशकों के ओपन इंटरेस्ट का आनुमानिक मूल्य	67
सारणी 2.45	थोक ऋण बाजार (डब्ल्यूडीएम) खंड में कारोबार संवृद्धि (एनएसई)	68
सारणी 2.46	थोक ऋण बाजार (डब्ल्यूडीएम) खंड में व्यापारित प्रतिभूतियों .... का लिखत के अनुसार हिस्सा (एनएसई)	69
सारणी 2.47	थोक ऋण बाजार (डब्ल्यूडीएम) खंड (एनएसई) के व्यापारावर्त में सहभागियों का हिस्सा..	70
सारणी 3.1	पूँजी बाजार से संबंधित रजिस्ट्रीकृत मध्यवर्ती	71
सारणी 3.2	रजिस्ट्रीकृत दलाल	72
सारणी 3.3	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड में रजिस्ट्रीकृत दलाल (एक्सचेंज के अनुसार)	72

सारणी सूची

सारणी सं.	सारणी का शीर्षक	पृष्ठ सं.
सारणी 3.4	स्वामित्व के आधार पर स्टॉक दलालों का वर्गीकरण	73
सारणी 3.5	बहु सदस्यता	75
सारणी 3.6	रजिस्ट्रीकृत उप-दलाल	76
सारणी 3.7	2004-05 के दौरान स्टॉक एक्सचेंजों को प्रदत्त मान्यता का नवीकरण	77
सारणी 3.8	अन्य स्टॉक एक्सचेंजों को प्रदत्त मान्यता का नवीकरण	77
सारणी 3.9	प्रस्ताव और छूट	78
सारणी 3.10	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत पारस्परिक निधियाँ	79
सारणी 3.11	जोखिम पूँजी निधियाँ	79
सारणी 3.12	फीस और अन्य शुल्क	80
सारणी 3.13	दलाली/उप-दलाली संस्थाओं का निरीक्षण	82
सारणी 3.14	2004-05 के दौरान निगरानी कार्रवाई	89
सारणी 3.15	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा अन्वेषण	91
सारणी 3.16	अन्वेषण के लिए उठाये गये मामलों का स्वरूप	92
सारणी 3.17	अन्वेषण के पूरे किये गये मामलों का स्वरूप	93
सारणी 3.18	की गयी विनियामक कार्रवाई के प्रकार	94
सारणी 3.19	2004-05 के दौरान जाँच और न्यायनिर्णयन	95
सारणी 3.20	दलालों / उप दलालों के खिलाफ जाँच और न्यायनिर्णयन	95
सारणी 3.21	अन्य मध्यवर्तियों के खिलाफ जाँच और न्यायनिर्णयन कार्यवाहियाँ	96
सारणी 3.22	2004-05 के दौरान स्टॉक एक्सचेंजों के शासी बोर्डों का अधिक्रमण	96
सारणी 3.23	पारस्परिक निधियों के संबंध में न्यायनिर्णयन और शास्तियाँ अधिरोपित करना	97
सारणी 3.24	विलंबित मोचनों / पुनःखरीदों के लिए निवेशकों को पारस्परिक निधियों द्वारा अदा किये गये ब्याज	98
सारणी 3.25	आरंभ किये गये अभियोजन	100
सारणी 3.26	अभियोजन के संबंध में प्रदेश के अनुसार आँकड़े	100
सारणी 3.27	2004-05 के दौरान आरंभ किये गये अभियोजन का स्वरूप	101
सारणी 3.28	न्यायालय द्वारा निर्णीत मामलों की संख्या	101
सारणी 3.29	उन न्यायालयीन मामलों के ब्यौरे, जिनमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड एक पक्षकार था	102
सारणी 3.30	प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत अपीलों के ब्यौरे	102
सारणी 3.31	प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेश के खिलाफ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम की धारा 15य के अधीन अपीलों के ब्यौरे	102
सारणी 5.1	2004-05 के दौरान बोर्ड की बैठकें	112
सारणी 5.2	2004-05 के दौरान पदोन्नतियाँ	113

आकृति सूची

आकृति सं.	आकृति का शीर्षक	पृष्ठ सं.
आकृति 1.1	लागत कारक (फैक्टर कॉस्ट) पर सकल घरेलू उत्पाद के घटकों का अंश	6
आकृति 1.2	परिवार क्षेत्र की वित्तीय बचतों में बचतों के प्रकारों का अंश	8
आकृति 2.1	जुटायी गयी पूँजी की राशि में विभिन्न निर्गमों का हिस्सा	28
आकृति 2.2	जुटाये गये कुल संसाधनों में क्षेत्र के अनुसार हिस्सा..	29
आकृति 2.3	2004-05 में बेंचमार्क स्टॉक बाजार सूचकांकों की गतिविधियाँ	32
आकृति 2.4	भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों का उतार-चढ़ाव	35
आकृति 2.5	क्षेत्र के अनुसार स्टॉक सूचकांक	35
आकृति 2.6	चुनींदा स्टॉक बाजारों का पी / ई अनुपात	45
आकृति 2.7	अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों का वार्षिक उतारचढ़ाव (2004-05)	49
आकृति 2.8	नकद बाजार के व्यापारावर्त की तुलना में व्युत्पन्नी व्यापारावर्त	51
आकृति 2.9	2004-05 के दौरान व्यापारावर्त में उत्पाद के हिसाब से हिस्सा	53
आकृति 2.10	पुट कॉल अनुपात (एनएसई) और एसएण्डपी सीएनएक्स निफ्टी सूचकांक	58
आकृति 2.11	सकल संग्रहण और मोचन में क्षेत्र के अनुसार हिस्सा (%) (2004-05)	61
आकृति 2.12	असीमित अवधिवाली और सीमित अवधिवाली निधियों का प्रतिशत के .... रूप में हिस्सा : स्कीम के अनुसार वर्गीकरण (2004-05)	61
आकृति 2.13	इक्विटी और ऋण में शुद्ध निवेशः पारस्परिक निधियाँ .... और विदेशी संस्थागत निवेशक	63
आकृति 2.14	भारत में विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश	64
आकृति 2.15	विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के रुख	65
आकृति 2.16	2004-05 के दौरान मासिक संस्थागत निवेश (शुद्ध) और औसतन सेन्सेक्स मूल्य............	66
आकृति 2.17	एनएसई के थोक ऋण बाज़ार खंड में व्यापार के शुद्ध मूल्य में उतार-चढ़ाव	69
आकृति 3.1	कंपनी दलाल और कुल दलाल (2003-04)	74
आकृति 3.2	कंपनी दलाल और कुल दलाल (2004-05)	74
आकृति 3.3	स्वामित्व के आधार पर दलालों के वर्गीकरण का प्रतिशत के रूप में .... हिस्सा (31 मार्च 2005 को)	75
आकृति 3.4	अन्वेषण के उठाये गये और पूरे किये गये मामले	91
आकृति 3.5	अन्वेषण के लिए उठाये गये मामलों का स्वरूप (2004-05)	92
आकृति 3.6	अन्वेषण के पूरे किये गये मामले (2004-05)	93
आकृति 3.7	की गयी विनियामक कार्रवाई का प्रकार	94

बॉक्स सूची

बॉक्स सं.	बॉक्स का शीर्षक	पृष्ठ सं.
बॉक्स 1.1	2004-2005 के दौरान प्रतिभूति बाजार में प्रमुख नीतिगत पहल एवं विकास	1
बॉक्स 1.2	बी एस ई इंडोनैक्स्ट	11
बॉक्स 1.3	भारत के स्टॉक एक्सचेंजों का निगमीकरण और अपारस्परीकरण (सी एन्ड डी)	18
बॉक्स 3.1	एकीकृत बाजार निगरानी प्रणाली	85

इस रिपोर्ट में उपयोग किये गये मानक-शब्दरूप

रु.	:	रुपये
लाख	:	सौ हजार
करोड़	:	दस मिलियन
$	:	अमरीकी डॉलर जब तक कि अन्यथा निर्धारित न हो
मिलियन	:	दस लाख
बिलियन	:	हजार मिलियन / सौ करोड़

पूर्णांकन किये जाने की वजह से योगों में अंतर हो सकते हैं और कहीं-कहीं इनका योग शत-प्रतिशत सही नहीं हो सकता है ।

संक्षेपाक्षर

आईएमएसएस	:	एकीकृत बाजार निगरानी प्रणाली
आईएसआईएन	:	अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या
आईएसपी	:	इंटरनेट सेवा प्रदाता
आईडीआर	:	भारतीय निक्षेपागार रसीदें
आईडीबीआई	:	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
आईपीएफ	:	निवेशक संरक्षण निधि
आईपीओ	:	आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव
आईसीआईसीआई	:	इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
आईसीएआई	:	इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंटस् ऑफ इंडिया
आईसीएसआई	:	इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड सेक्रेटरीज़ ऑफ इंडिया
आईसीएसई	:	इंटरकनेक्टेड स्टॉक एक्सचेंज
आयस्को	:	इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ सिक्योरिटीज कमीशन्स्
आरआईआई	:	छोटा व्यक्तिगत निवेशक
आरएआईएन	:	भारतीय रजिस्ट्रार संघ (रजिस्ट्रार एसोसिएशन ऑफ इंडिया)
आरएचपी	:	रेड-हैरिंग प्रोस्पेक्टस
आरएसई	:	प्रादेशिक स्टॉक एक्सचेंज
आरबीआई	:	भारतीय रिज़र्व बैंक
ईएमई	:	उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएँ
ईडी	:	प्रवर्तन निदेशालय
ईडीआईएफएआर	:	इलेक्ट्रॉनिक आँकडा जानकारी दाखिल करना एवं प्राप्त करना
ईसीबी	:	विदेशी वाणिज्यिक उधार
एएनएमआई	:	एसोसिएशन ऑफ एनएसई मेम्बर्स ऑफ इंडिया
एएमएफआई	:	भारतीय पारस्परिक निधि संघ (एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया)
एएमसी	:	आस्ति प्रबंध कंपनी
एएसई	:	अहमदाबाद स्टॉक एक्सचेंज
एचआरएमएस	:	मानव संसाधन प्रबंध प्रणाली
एचएसई	:	हैदराबाद स्टॉक एक्सचेंज
एनआईआई	:	गैर-संस्थागत निवेशक
एनआईएसएम	:	राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान
एनएनपी	:	शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद
एनएवी	:	शुद्ध आस्ति मूल्य
एनएसई	:	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड
एनएसडीएल	:	नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड
एनटीपीसी	:	नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन
एनडीपी	:	गैर-घरेलू उत्पाद
एनबीएफसी	:	गैर-बैंककारी वित्तीय कंपनी
एपीआरसी	:	एशिया पैसिफिक रीजनल कमेटी
एपीजी	:	एशिया पैसिफिक ग्रुप
एफ एंड ओ	:	फ्यूचर्स और ऑप्शन
एफआईआई	:	विदेशी संस्थागत निवेशक (विनिधानकर्ता)
एफआईआर	:	प्रथम सूचना रिपोर्ट
एफआईएसई	:	फेडरेशन ऑफ इंडियन स्टॉक एक्सचेंज
एफआरबीएम	:	फिस्कल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड बजट मैनेजमेंट एक्ट
एफएक्यू	:	बार-बार पूछे जाने वाले प्रश्न
एफएटीएफ	:	फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स
एफवीसीआई	:	विदेशी जोखिम पूँजी निवेशक (विनिधानकर्ता)
एमएनसी	:	बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ
एमएफ	:	पारस्परिक निधियाँ
एमएसएस	:	बाजार स्थिरता स्कीम
एमओयू	:	बोध ज्ञापन
एमपीएसई	:	मध्य प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज
एमबी	:	मर्चेंट बैंककार
एलएएफ	:	अर्थसुलभता समायोजन सुविधा
एलएसई	:	लुधियाना स्टॉक एक्सचेंज
एसआरओ	:	स्व-विनियामक संगठन
एसईएफटी	:	स्पेशल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (विशेष इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण)
एसएटी	:	प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण
एसएमआईएलई (स्माइल)	:	प्रतिभूति बाजार अवसंरचना लीवरेजिंग विशेषज्ञ कार्य-दल
एसएमई	:	छोटे और मध्यम उद्यमी
एसएमएआरटीएस (स्मार्टस)	:	प्रतिभूति बाजार स्वचालित, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं निगरानी
एसएमएसी	:	द्वितीयक बाजार परामर्शी समिति
एसएमएसी	:	प्रतिभूति बाजार जागरूकता अभियान
एसएसआईटी	:	विशेष निगरानी निरीक्षण दल
एसकेएसई	:	सौराष्ट्र-कच्छ स्टॉक एक्सचेंज
एसजीएल	:	सबसीडियरी जनरल लेजर

संक्षेपाक्षर

एसटीटी	: प्रतिभूति संव्यवहार (लेनदेन) कर
एसटीपी	: सीधी प्रक्रिया
एससी(आर)ए	: प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम
एससीआरआर	: प्रतिभूति संविदा विनियमन नियम
एससीएन	: कारण बताओ सूचना
ओआईएई	: निवेशक सहायता एवं शिक्षण कार्यालय
ओटीसीईआई	: ओवर द काउंटर एक्सचेंज ऑफ इंडिया
केआईएम	: मूल सूचना ज्ञापन
क्यूआईबी	: अर्हित संस्थागत क्रेता / अर्हताप्राप्त संस्थागत खरीदार
जीईटीएफ	: गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडिड फंड
जीएफआईएल	: गोल्डन फॉरेस्ट इंडिया लिमिटेड
जीएसओ	: ग्रीन शू विकल्प
जीओआई	: भारत सरकार
जीटीबी	: ग्लोबल ट्रस्ट बैंक
जीडीएस	: सकल घरेलू बचतें
जीडीपी	: सकल घरेलू उत्पाद
जेपीसी	: संयुक्त संसदीय समिति
टीवीए	: टेनिसी वेली एथॉरिटी
टीसीएस	: टाटा कंसल्टेन्सी सर्विस
डब्ल्यूडीएम	: थोक ऋण बाजार
डब्ल्यूपीआई	: थोक मूल्य सूचकांक
डीआईपी	: प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण
डीआरएम	: संकट निवारण व्यवस्था
डीएफआई	: विकास वित्तीय संस्थाएँ
डीएसई	: दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज
डीओटी	: दूरसंचार विभाग
डीजीसीआई एंड एस	: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महानिदेशालय
डीपी	: निक्षेपागार सहभागी
डीसीए	: कंपनी कार्य विभाग
पी/ई अनुपात	: कीमत उपार्जन अनुपात
पीआईएल	: लोक हित मुकदमा
पीएनबी	: पंजाब नेशनल बैंक
पीएसयू	: सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम
पी/बी अनुपात	: बही-मूल्य के प्रति कीमत अनुपात
पीसीआर	: पुट कॉल अनुपात
फायर	: फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स रिफॉर्म एंड एक्सपेंशन
बीएसई	: बंबई स्टॉक एक्सचेंज

बीओ	: हिताधिकारी स्वामी (बेनीफीशियरी ओनर)
बीओएलटीएस	: बीएसई ऑन-लाइन ट्रेडिंग सिस्टम
बीजीएसई	: बंगलूर स्टॉक एक्सचेंज
बीटीआई	: निर्गम बैंककार
बीसीपी	: निरंतर कामकाज योजना
भाप्रविबो	: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
मापिन	: बाजार सहभागियों तथा निवेशकों के केन्द्रीय डाटाबेस
यूआईएन	: विशिष्ट पहचान संख्या
यूएसए	: संयुक्त राज्य अमरीका
यूटीआई	: भारतीय यूनिट ट्रस्ट
यूपीएसई	: उत्तर प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज
यूसीसी	: विशिष्ट ग्राहक कोड
विसंनि	: विदेशी संस्थागत निवेशक
वीएआर	: जोखिम पर कीमत
वीएसई	: वड़ोदरा स्टॉक एक्सचेंज
वीसीएफ	: जोखिम पूँजी निधि
सी एंड डी	: निगमीकरण एवं अपरस्परीकरण (कॉर्पोरेटाइजेशन एंड डीम्यूचुअलाइजेशन)
सीआईएस	: सामूहिक निवेश स्कीम
सीआरआर	: नकदी आरक्षित अनुपात
सीईओ	: मुख्य कार्यपालक अधिकारी
सीएफआई	: भारत की संचित निधि
सीएफओ	: मुख्य वित्तीय अधिकारी
सीएफटीसी	: कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन
सीएसई	: कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज
सीएसएक्स	: कोयम्बतूर स्टॉक एक्सचेंज
सीएसओ	: सेंट्रल स्टेस्टिकल ऑर्गेनाइजेशन (केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन)
सीओएसई	: कोचीन स्टॉक एक्सचेंज
सीटीआर	: अनुपालना जांच रिपोर्ट
सीडीएसएल	: सेंट्रल डिपॉजिरी सर्विसेज लिमिटेड
सीपीएफ	: ग्राहक संरक्षण निधि
सीपीएसएस	: भुगतान एवं निपटान प्रणालियों संबंधी समिति
सीबीआई	: केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो
सीसीपी	: केंद्रीय काउंटरपार्टी

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किए गए प्रमुख नीतिगत प्रयास - कालक्रम के अनुसार

तारीख	नीतिगत घोषणाएँ
2004	
अप्रैल 1	• सीधी प्रक्रिया (एसटीपी) को सभी संस्थागत व्यापारों के लिए लाज़िमी कर दिया गया और यह 1 जुलाई 2004 से प्रभावी हो गयी ।
अप्रैल 2	• विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) / उप-लेखों (सब-एकाउंट) से कहा गया कि वे विशिष्ट ग्राहक कोड की सूचना सदस्य-दलाल को दें, भारतीय प्रतिभूति बाजार में व्यापार करते समय ।
अप्रैल 8	• भाप्रविबो (प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धाँत, 2000 में संशोधन किया गया ताकि टेलीविजन पर विज्ञापन जारी करने, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, अनुसूचित बैंकों तथा सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं जैसी विशिष्ट संस्थाओं द्वारा शैल्फ प्रोस्पेक्टस की सुविधा से संबंधित प्रावधानों को शामिल किया जा सके ।
अप्रैल 23	• उच्च स्तरीय प्रतिभूति बाजार अवसंरचना लीवरेजिंग विशेषज्ञ कार्य-दल (स्माइल कार्य-दल) का गठन किया गया, ताकि सभी बाजार खंडों तथा बाजार सहभागियों को शामिल करते हुए प्रतिभूति बाजार की अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के संबंध में व्यापक जांच-पड़ताल की जा सके।
अप्रैल 28	• यूएस कमोडिटीज एंड फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन के साथ बोध-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, ताकि सूचना माध्यमों को सशक्त बनाया जा सके और सहायता एवं आपसी सहयोग हेतु एक ढाँचा उपलब्ध हो सके ।
अप्रैल 30	• सभी सूचीबद्ध कंपनियों, जो अपना नाम बदलने का फैसला लेती हैं, द्वारा कुछ शर्तों का पालन किये जाने के संबंध में मार्गदर्शक सिद्धाँत जारी किए गए थे ।
मई 7	• प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेने के लिए प्रस्ताव-पत्र में प्रकट किये जाने वाले तथ्यों से संबंधित मार्गदर्शक सिद्धाँतों में संशोधन किया गया था और एक मानक फॉर्म निर्धारित किया गया ।
मई 28	• आरंभिक सार्वजनिक प्रस्तावों से पूर्व शेयरों के विभाजन, निर्गम के निबंधनों, निर्गम के बाद की बाध्यताओं, शैल्फ प्रोस्पेक्टस के अधीन नामनिर्दिष्ट वित्तीय संस्थाओं द्वारा बॉण्डों के सार्वजनिक निर्गम, कर्मचारियों की परिभाषा, शेयरधारकों के आरक्षण तथा ग्रीन-शू विकल्प की सुविधा की उपलब्धता - के सिलसिले में भाप्रविबो (प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धाँत, 2000 में किए गए संशोधनों की घोषणा की गई ।
जून 10	• एसटीपी के कार्यान्वयन हेतु लेनदेन के कार्य-प्रवाह को निर्धारित किया गया और आईएसओ 15022 मैसेजिंग के मानक बनाये गये ।
जून 30	• एसटीपी के क्रियाकलापों को कार्यान्वित करने के लिए एसटीपी केंद्रीकृत हब तथा 4 एसटीपी सेवा प्रदाताओं को मान्यता प्रदान की गयी ।
जुलाई 15	• सभी स्टॉक दलालों को उनकी देय राशियों की चुकौती करने हेतु एकबारगी अवसर देने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (ब्याज दायित्व नियमितीकरण) स्कीम, 2004 को लागू किया गया ।
	जारी....

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किए गए प्रमुख नीतिगत प्रयास - कालक्रम के अनुसार

तारीख	नीतिगत घोषणाएँ
जुलाई 16	• स्टॉकों तथा सूचकांकों, जिन पर फ्यूचर्स तथा ऑप्शन की शुरुआत की जा सकती थी, की स्थिति सीमाओं तथा व्यापक पात्रता मानदंडों में तब्दीली की गयी । • यह अधिसूचित किया गया कि सभी विनिर्दिष्ट मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरी) तथा उनके संबधित व्यक्तियों को, 2 अगस्त 2004 से द्वितीयक बाजार के सभी लेनदेनों के लिए विशिष्ट ग्राहक कोड के बदले में, बाजार सहभागियों के केंद्रीय डाटाबेस (मापिन) विनियमों के तहत प्राप्त की गई विशिष्ट पहचान संख्या (यूआईएन) का उल्लेख करना होगा ।
जुलाई 22	• भाप्रविबो (कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम और कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम) मार्गदर्शक सिद्धाँत, 1999 में संशोधन किए गए ।
जुलाई 28	• पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड) द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले मूल सूचना ज्ञापन (केआईएम) के फॉर्म को मानक रूप दे दिया गया ।
अगस्त 16	• निक्षेपागार सहभागियों (डीपी) को यह अनुमति दे दी गई कि वे डिजिटल हस्ताक्षर के तहत हिताधिकारी स्वामियों (बेनीफिशयल ओनर) को लेखा-विवरण तथा अन्य दस्तावेज मुहैया करायें, जैसा कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अधीन विनियमित है, बशर्ते कि निक्षेपागार सहभागी उक्त प्रयोजन के लिए हिताधिकारी स्वामी के साथ एक ऐसा इंतजाम करे जो कानूनी तौर पर लागू हो ।
अगस्त 23	• स्टॉक एक्सचेंजों को ये अनुदेश जारी किए गए कि वे, भारत सरकार द्वारा अधिसूचना की तारीख से, सभी लेनदेनों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) लगायें, एकत्र करें तथा विप्रेषित करें ।
अगस्त 24	• स्टॉक एक्सचेंजों के सदस्यों को अनुदेश दिया गया कि वे अपने संबंधित समूह-खाते (पूल एकाउंट) में से निधियों एवं प्रतिभूतियों का अंतरण (ट्रांसफर), भुगतान किये जाने के दिन (पे-आउट डे) के पश्चात् एक कार्य-दिवस के भीतर अपने ग्राहकों के संबंधित हिताधिकारी खातों (बेनीफिशयरी एकाउंट) में कर दें । • हिताधिकारी स्वामी खाता खोलने के लिए पहचान के सबूत तथा पते के सबूत के तौर पर स्वीकार किये जाने वाले दस्तावेजों की सूची बढ़ा दी गयी ।
अगस्त 30	• 'राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान' को 'सोसाइटी' के तौर पर रजिस्ट्रीकृत किया गया ।
सितम्बर 23	• प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से संबंधित नियमों के मसौदे (ड्राफ्ट) की सूचना दे दी गयी, ताकि स्टॉक एक्सचेंज, उनके सदस्य तथा पारस्परिक निधियाँ प्रतिभूति लेनदेन कर को समुचित रूप से कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं को स्थापित कर सकें ।
अक्तूबर 1	• सरकारी अधिसूचना के अनुसार प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) प्रभावी हो गया ।
अक्तूबर 26	• यह स्पष्ट कर दिया गया कि पारस्परिक निधियाँ तथा विदेशी संस्थागत निवेशक अब से, आदेश की प्रविष्टि करने के समय मूल पारस्परिक निधि तथा मूल विदेशी संस्थागत निवेशक से संबंधित विशिष्ट ग्राहक कोडों की प्रविष्टि करेंगे और पारस्परिक निधियों की अलग-अलग स्कीमों तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के उप-लेखों (सब-एकाउंट) के लिए, बंद होने से बाद वाले सत्र में, विशिष्ट ग्राहक कोड की प्रविष्टि करेंगे । *जारी....*

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किए गए प्रमुख नीतिगत प्रयास - कालक्रम के अनुसार

तारीख	नीतिगत घोषणाएँ
अक्तूबर 27	• स्टॉक एक्सचेंजों और निक्षेपागारों (डिपॉजिटरी) को अनुदेश दिया गया कि वे निर्गमकर्ता (इश्युअर) कंपनियों को सूचित करें ताकि दोनों निक्षेपागारों में ऋण-लिखतों (डैट इंस्ट्रूमेंट्स) के लाज़िमी प्रवेश से संबंधित भाप्रविबो के परिपत्र का पालन किया जा सके । • ' विनिर्दिष्ट विनिधानकर्ताओं (निवेशकों)' के रूप में सभी निवासी निवेशकों, निगमित निकाय न होते हुए, जो एक लाख रुपये या से अधिक के मूल्य के कोई प्रतिभूति बाजार लेनदेन (प्राथमिक या द्वितीयक बाजार) करते हैं, से यह अपेक्षित था कि वे 31 मार्च 2005 से पहले विशिष्ट पहचान संख्याएँ प्राप्त करें। "विनिर्दिष्ट विनिधानकर्ताओं (निवेशकों)" के रूप में विदेशी संस्थागत निवेशकों उप-लेखे तथा विदेशी जोखिम पूँजी निवेशकों से भी यह अपेक्षित था कि वे 31 मार्च 2005 से पहले विशिष्ट पहचान संख्याएँ प्राप्त करें ।
अक्तूबर 28	• निवेशक संरक्षण निधि / ग्राहक संरक्षण निधि के गठन तथा प्रबंधन, निवेशक संरक्षण निधि / ग्राहक संरक्षण निधि में अंशदान, निवेशकों के दावों को दाखिल / आमंत्रित किये जाने की रीति, पात्र दावों, जायज दावों के निर्धारण और निवेशक संरक्षण निधि / ग्राहक संरक्षण निधि से दावों के भुगतानों के सिलसिले में निवेशक संरक्षण निधि / ग्राहक संरक्षण निधि संबंधी मार्गदर्शक सिद्धाँतों का पुनरीक्षण किया गया और व्यापक मार्गदर्शक सिद्धाँतों को निर्धारित किया गया ।
अक्तूबर 29	• सभी स्टॉक एक्सचेंजों को निदेश दिया गया कि वे सूचीबद्धता करारनामे के मौजूदा खंड 49 को संशोधित खंड से प्रतिस्थापित करते हुए सूचीबद्धता करारनामे में संशोधन करें ।
नवम्बर 1	• डिबेंचरों हेतु मॉडल सूचीबद्धता करारनामा स्टॉक एक्सचेंजों को जारी किया गया । इस करारनामे का प्रयोग उन कंपनियों या संस्थाओं द्वारा किया जाना है, जो जनता को निर्गमित या निजी स्थानन (प्राइवेट प्लेसमेंट) वाले अपने डिबेंचरों को सूचीबद्ध कराना चाहती हैं ।
नवम्बर 2	• सरकारी दिनांकित प्रतिभूतियों तथा खजाना-हुंडियों (ट्रेज़री बिल) में विदेशी संस्थागत निवेशकों / उप-लेखों द्वारा संचयी निवेश की सीमा को बढ़ाकर 1.75 बिलियन अमरीकी डॉलर कर दिया गया ।
नवम्बर 18	• 'विनिर्दिष्ट मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरी)' के रूप में अधिसूचित उप-दलालों, जिनसे उनके संबंधित व्यक्तियों सहित, यह अपेक्षित था कि वे 31 दिसम्बर 2004 को या से पहले विशिष्ट पहचान संख्याएँ प्राप्त कर लें ।
नवम्बर 25	• सॉफ्टवेयर में जरूरी तब्दीलियों की अपेक्षा, प्रणालीगत रुकावटों तथा अन्य प्रशासनिक कारणों की वजह से - दलाल, उप-दलाल तथा ग्राहकों के बीच मॉडल त्रिपक्षीय करारनामे के कार्यान्वयन की समय-सीमा को 1 दिसम्बर 2004 की अपेक्षित तारीख से बढ़ाकर 1 जनवरी 2005 कर दिया गया ।
नवम्बर 29	• यह स्पष्ट कर दिया गया कि 1.75 बिलियन अमरीकी डॉलर की सीमा केवल सरकारी दिनांकित प्रतिभूतियों तथा खजाना-हुंडियों में विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश पर ही लागू होगी, 100 प्रतिशत ऋण-मार्ग (डैट रूट) एवं सामान्य 70:30 मार्ग दोनों के अंतर्गत । *जारी....*

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किए गए प्रमुख नीतिगत प्रयास - कालक्रम के अनुसार

तारीख	नीतिगत घोषणाएँ
दिसम्बर 2	• यह स्पष्ट कर दिया गया कि बकाया 500 मिलियन अमरीकी डॉलर की संचयी उप-सीमा कॉर्पोरेट-डैट में विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के संबंध में निर्धारित कर दी गयी और यह सरकारी ऋण (गवर्नमेंट डैट) हेतु 1.75 बिलियन अमरीकी डॉलर की सीमा के अतिरिक्त होगी ।
दिसम्बर 8	• इक्विटी सूचीबद्धता करारनामे के खंड 16 में संशोधन किया गया, ताकि कंपनी जिसके स्टॉकों में, व्युत्पन्नियाँ (डेरीवेटिव) उपलब्ध हैं या जिसके स्टॉक सूचकांक, जिसमें व्युत्पन्नियाँ उपलब्ध हैं, का भाग हैं, स्टॉक एक्सचेंजों को विलय (मर्जर), डी-मर्जर, विभाजन (स्पिलट) तथा बोनस शेयरों जैसी कंपनी कार्रवाइयों के लिए 30 दिनों की अवधि का नोटिस देगी ।
दिसम्बर 15	• उप-दलालों की स्थिति तथा संरचना, उप-दलालों के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के अभ्यर्पण और उप-दलालों की सहबद्धता में परिवर्तन किये गये ।
दिसम्बर 29	• प्रणालीगत रुकावटों तथा अन्य प्रशासनिक कारणों की वजह से - दलाल, उप-दलाल तथा ग्राहकों के बीच त्रिपक्षीय करारनामे के कार्यान्वयन की समय-सीमा को और बढ़ाकर 1 अप्रैल 2005 कर दिया गया ।
2005	
जनवरी 4	• यह स्पष्ट कर दिया गया कि जहाँ कहीं भी भारत का राष्ट्रपति / केंद्रीय सरकार / राज्य सरकार एक संप्रवर्तक (प्रोमोटर) है, तो वहाँ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (बाजार सहभागियों के केंद्रीय डाटाबेस) विनियम, 2003 के विनियम 6(2) के अधीन विशिष्ट पहचान संख्या प्राप्त करने की अपेक्षा से छूट है ।
	• यह स्पष्ट कर दिया गया कि यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की तारीख की समाप्ति तक भाप्रविबो को मध्यवर्ती से नवीकरण हेतु आवेदन प्राप्त नहीं होता है, तो मध्यवर्ती ऐसी समाप्ति की तारीख को मध्यवर्ती नहीं रह जाता है और रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति की तारीख से मध्यवर्ती के क्रियाकलाप नहीं कर सकता ।
जनवरी 7	• बीएसई इंडोनेक्स्ट के व्यापार के पहले दौर की शुरुआत, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए, 7 जनवरी 2005 से कर दी गयी ।
जनवरी 25	• प्रोस्पेक्टस में प्रकट किये जाने वाले तथ्यों की प्रस्तुति के क्रम, संक्षिप्त प्रोस्पेक्टस से संबंधित अपेक्षाओं और विज्ञापन जारी करने से संबंधित अपेक्षाओं के सिलसिले में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धाँत, 2000 में संशोधन किए गए ।
जनवरी 28	• गैर-कागजी प्रक्रिया (डीमैटीरियलाइजेशन) हेतु शुल्क-संरचना को युक्तिसंगत बनाया गया ।
फरवरी 9	• यह स्पष्ट कर दिया गया कि स्टॉक एक्सचेंजों के जो सदस्य अधिक्रमण के समय स्टॉक एक्सचेंजों के शासी बोर्डों में थे, उन्हें दो वर्षों की अवधि हेतु स्टॉक एक्सचेंजों के पुनर्गठित
	जारी....

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किए गए प्रमुख नीतिगत प्रयास - कालक्रम के अनुसार

तारीख	नीतिगत घोषणाएँ
	शासी बोर्डों में शामिल नहीं किया जायेगा, क्योंकि वे शासी बोर्ड में अपने कार्यकाल के दौरान पहले प्रभावी कार्रवाई करने में असफल रहे थे ।
फरवरी 23	• नकदी खंड (कैश सेगमेंट) हेतु व्यापक जोखिम-व्यवस्था के ढाँचे को निर्धारित कर दिया गया ।
फरवरी 24	• विनिर्दिष्ट निवेशकों, अर्थात् सभी निवासी निवेशक, निगमित निकाय न होते हुए, जो एक लाख रुपये या से अधिक के मूल्य का कोई प्रतिभूति बाजार लेनदेन (जिसमें पारस्परिक निधियों या सामूहिक निवेश स्कीमों की यूनिटों में कोई लेनदेन शामिल है) करते हैं, के लिए विशिष्ट पहचान संख्याएँ प्राप्त करने की अधिसूचित तारीख को 31 मार्च 2005 से बढ़ाकर 31 दिसम्बर 2005 कर दिया गया ।
मार्च 4	• मार्जिन व्यापार सुविधा और प्रतिभूति उधार देने एवं लेने की स्कीम में तब्दीलियाँ की गयीं ।
मार्च 7	• मापिन के दायरे की फिर से जांच-पड़ताल करने के लिए, भावी कार्यान्वयन सूची का सुझाव देने के लिए और विशिष्ट पहचान संख्या प्राप्त करने संबंधी खर्च का पुनरावलोकन करने के लिए एक समिति का गठन किया गया ।
मार्च 11	• यह स्पष्ट कर दिया गया कि सरकारी प्रतिभूतियों तथा कॉर्पोरेट-डैट में विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेशों की उप-सीमाएँ अलग-अलग होंगी और इनकी अदला-बदली नहीं होगी ।
मार्च 17	• व्युत्पन्नी संविदाओं (डेरीवेटिव कॉन्ट्रेक्ट) के आकार के निर्धारण का प्राधिकार स्टॉक एक्सचेंजों को सौंपा गया, जहाँ कहीं भी आवश्यक हो तो वहाँ एक दूसरे के परामर्श से ।
मार्च 29	• सूचीबद्धता करारनामे के संशोधित खंड 49 के साथ अनुरूपता को कंपनियों द्वारा सुनिश्चित किये जाने की समय-सीमा को 1 अप्रैल 2005 से 31 दिसम्बर 2005 तक बढ़ा दिया गया।
	• छोटे निवेशकों हेतु आबंटन श्रेणी को बढ़ाने, मूल्य रूप में छोटे निवेशकों को पुनःपरिभाषित करने, बोली की अवधि को कम करने, सूचीबद्ध कंपनियों के मामले में कीमत-सीमा / निम्नतम कीमत को प्रकट किये जाने के समय में और स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट पर डाटा की सूचना देने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (प्रकटीकरण और निवेशक संरक्षण) मार्गदर्शक सिद्धाँत, 2000 में संशोधन किए गए ।
मार्च 31	• दलाल, उप-दलाल तथा ग्राहकों के बीच त्रिपक्षीय करारनामे के संबंध में 1 दिसम्बर 2004 की प्रभावी तारीख को बढ़ाकर 1 जनवरी 2005 कर दिया गया । यह भी स्पष्ट कर दिया गया कि मॉडल त्रिपक्षीय करारनामा 1 अप्रैल 2005 से कार्यान्वित हो ही जायेगा और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के मौजूदा सहयोगियों, जो स्टॉक दलालों के रूप में रजिस्ट्रीकृत हैं और उनके रजिस्ट्रीकृत उप-दलाल हैं, के लिए लागू नहीं होगा, जिनके लिए विशेष उपबंध भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 में किये जा रहे हैं।